

दर्पणम् दर्पणम्



BSNL

Connecting India



पत्तनमतिट्टा बी ए की ई - गृह पत्रिका

दर्पणम् मार्च 2021 (अंक 2)



पत्तनमतिट्टाबी ए की ई- गृहपत्रिका

संपादक की कलम से

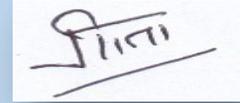
सभी को सादर प्रणाम,

भारत में अनेक भाषाएं होते हुए भी 1949 सितंबर चौदह को हिंदी को सरकारी कामकाज के लिए राजभाषा का दर्जा दिया गया। भारत में केवल हिंदी को ही संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा का स्थान है। संविधान के धारा 343-351 तक राजभाषा के बारे में उल्लिखित है। 351 में ऐसे प्रावधान दिए हैं कि इस भाषा के शब्दभंडार को संपन्न बनाने हेतु अन्य भारतीय भाषाओं और लोक भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करें। अनेकता में एकता होनेवाली हमारी भारत माँ को जान-पहचान देने की शक्ति हिंदी भाषा में है।

लोगों को कम्यूनिकेशन के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करना ही हमारा परम धर्म है। इसे बनाए रखने के साथ-साथ राजभाषा नीति का पालन भी करना है। वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लगभग सभी लक्ष्य हमने हासिल की है। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के निदेशानुसार यह इस साल की दूसरी पत्रिका है। यह छोटा कदम साकार बनाने में मुझे बहुत खुशी है।

धन्यवाद

जय हिंद, जय हिंदी



गीता जी पी

कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

‘सब से उत्तम तीर्थ अपना मन है जो विशेष रूप से शुद्ध हुआ हो।’

पत्तनमतिद्धा बीए की गृह पत्रिका मार्च 2021-अंक 2

(वित्तीय वर्ष 20-21)

संरक्षक

श्री साजु जोर्ज के

महाप्रबंधक दूरसंचार

उप संरक्षक

श्री पी टी विवेकानंदन

उपमहाप्रबंधक(प्र&यो)

अध्यक्ष

श्रीमती अनिला पी के

सहायक महाप्रबंधक(प्रशासन & ज सं)

संपादक

श्रीमती गीता जी पी

कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

तकनीकी सहाय

श्री लिट्टो के तोमस

उपमंडल इंजीनियर(कंप्यूटर)

श्री एन श्रीकांत,

कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, (कंप्यूटर)

इस अंक में

इस अंक में	3
संपादकीय	4
संदेश	5
राजभाषा रिपोर्ट	6
बोलचाल हिंदी	7
हिंदी पखवाडा प्रतियोगिताओं के विजेता	8
बीए में संपन्न विविध कार्यकलाप	9-14
कविवर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	15
ज़िंदगी - कविता	16
नदी - कविता	17
क्या- आप जानते हैं ?	18
कला	19
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति	22
वार्षिक कार्यक्रम , क्षेत्र क ख ग	24-26



संदेश

2020 जनवरी में हमारे बीए के अनेक वरिष्ठ कुशल अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने वीआरएस लिए। स्टाफ की कमी तथा अप्रत्याशित कोविड महामारी हमारे लिए चुनौतियाँ थी। इसके सिवा अनेक लान्ड लाईन तथा ब्रॉड बैंड सेवाएं बंद किए। लेकिन दृढ़ निश्चय से हम ने आगे बढ़े और खुशी की बात है कि हाल में हमारे एफटीटीएच कनक्शन 10,000 पार किए हैं।

बीएसएनएल की सेवाएं अच्छी तरह उपलब्ध करना हमारा प्रथम धर्म है। इसके साथ राजभाषा नीति के अनुपालन में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाना भी हमारा कर्तव्य है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए ही हमने कोविड 19 महामारी के इस आपातकाल में भी हर तिमाही में हिंदी कार्यशाला, तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, हिंदी पखवाडा का आयोजन, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति संबंधित कार्रवाइयाँ आदि ऑनलाईन द्वारा आयोजित की गईं।

राजभाषा विभाग के निदेशानुसार हमें 20-21 वर्ष में दो पत्रिकाएं निकालना है। प्रथम अंक हमने हिंदी पखवाडा के समापन समारोह में प्रकाशित की गई। पत्तनमतिट्टा बीए की पत्रिका के द्वितीय अंक खुशी के साथ मैं आपके सामने प्रस्तुत करता हूँ। आगे भी बीएसएनएल की प्रगति को परम धर्म रखें। साथ-साथ अपने कार्यालयीन काम में हिंदी का प्रयोग करने का प्रयास करें ताकि हिंदी का मान राष्ट्र का सम्मान है।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

आपका

साजु जोर्ज के, आईटीएस

राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति रिपोर्ट

भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी राजभाषा संबंधित अनुदेशों के अनुपालन हेतु इस वित्तीय वर्ष में भी हर तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, नगर राजभाषा कार्यान्वयन संबंधित कार्रवाईयाँ, हिंदी पखवाडा का आयोजन, धारा 3(3) आदि किए गए हैं। कोविड महामारी के बीच में ये सभी ऑनलाईन द्वारा ही की गई हैं। हर दिन एक हिंदी शब्द समानार्थ के साथ इन्टरनेट में प्रदर्शित कर रहे हैं। हर तिमाही में अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी में काम-काज करने की झिझक दूर करने के लिए हिंदी कार्यशालाएं आयोजित कर रहे हैं। हिंदी पखवाडे के अवसर पर कुछ प्रतियोगिताएं जैसे राजभाषा प्रश्नोत्तरी, हिंदी गीत, टिप्पण, अनुवाद आदि ऑनलाईन द्वारा आयोजित की गई। समापन समारोह के अवसर पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ऑनलाईन प्रमाणपत्र तथा नकद पुरस्कार भी वितरित की गई। उक्त अवसर पर माननीय महाप्रबंधक श्री साजु जोर्ज के, आईटीएस द्वारा हमारे बीए के ई-बुलेटिन **दर्पणनम्** भी प्रकाशित किए। नियम 11 के अनुसार लोगों की जानकारी के लिए लगे बोर्ड त्रिभाषी रूप में तैयार किए गए हैं। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद स्टाफ की संख्या में बहुत कमी हो गई है। फिर भी राजभाषा नियमों के अनुपालन के लिए प्रत्येक मर्दों के लिए अधिकारियों को जाँच बिंदु के रूप में रखे हैं। हिंदी में काम करने के लिए सहायक लगभग सभी जानकारी के साथ बीए इन्टरनेट में **राजभाषा हेल्पडेस्क** नाम के लिंक भी उपलब्ध करवाए हैं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक के रूप में भी अपनी भूमिका निभाते हैं।

हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।- स्वामि दयानंद

बोलचाल हिंदी

1. ബസ് സ്റ്റോപ്പ് ഏതു ഭാഗത്താണ്? ഇവിടുന്ന് എത്ര ദൂരം ഉണ്ട് ?

बस स्टॉप किस तरफ है ? यहाँ से कितनी दूर है ?

2. ഇവിടെ അടുത്തു തന്നെയാണ്.

यहाँ से बहुत नज़दीक है ।

3.റെയിൽവേ സ്റ്റേഷനിൽ നിന്നും ബസ്സ് സ്റ്റാന്റിലേക്ക് എത്താൻ എത്ര സമയം എടുക്കും ?

रेलवे स्टेशन से बस स्टेशन तक पहुँचने में कितना समय लगेगा ?

4. ഏകദേശം 15 മിനിട്ട്.

करीब 15 मिनट

5.താങ്കൾക്ക് എവിടേക്കാ പോകേണ്ടത് ?

आपको कहाँ जाना है ?

6.എനിക്ക് അടുത്ത സ്റ്റോപ്പിൽ ഇറങ്ങണം.

मुझे अगले स्टॉप पर उतरना है ।

7. നന്ദി. വീണ്ടും കാണാം.

धन्यवाद । फिर मिलेंगे ।

प्यास -ഉള്ളികരേല-പാവയ്ക്കസഹജന -മുരിങ്ങക്ക

फूलगोभी-കോളീഫ്ലവർ बंदगोभी- കാബേജ് भिंडी-വെണ്ടക്ക

धनिया -മല്ലി चुकंदर -ബീറ്റ്‌റൂട്ട് बैंगन- വഴുതനങ്ങ

गाजर-കാരറ്റ് लहसुन-വെളുത്തുള്ളി सूरन - ചേന



हिंदीपखवाडा समारोह 2020 केअवसर पर आयोजित
प्रतियोगिताओके विजेताओं की सूची
LIST OF WINNERS OF THE COMPETITIONS
CONDUCTED IN CONNECTION WITH HINDI
FORTNIGHT CELEBRATIONS 2020

**1. अकारादि वर्णक्रम(कोश निर्माण)Arranging words in the Alphabetical Order
श्रीमती / श्री Smt/Sri**

1. बिंदु डी , कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, एसटीआर, पतनमतिद्धा – प्रथम
2. पिंकी एस जोण, मंडल इंजीनियर, पतनमतिद्धा -द्वितीय
3. रंजिनी के, कनिष्ठ इंजीनियर, महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय, तिरुवल्ला-
तृतीय

2. हिंदी गीत HINDI SONG

1. श्रीकला एस , कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, ग्राहक सेवा केंद्र, तिरुवल्ला- प्रथम
2. रेया वर्गीस, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, महाप्रबंधक दूरसंचार का कार्यालय,
तिरुवल्ला - द्वितीय
3. अनुशील सोणी , कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, योजना अनुभाग, तिरुवल्ला- तृतीय

3.समानार्थक शब्द EQUIVALENT WORD

1. एन श्रीकांत, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, कंप्यूटर अनुभाग - प्रथम
2. टोबिन जोण वर्गीस , कनिष्ठ इंजीनियर, मल्लप्पल्ली - द्वितीय
3. श्रीकला एस , कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, ग्राहक सेवा केंद्र, तिरुवल्ला -तृतीय

4. राजभाषा प्रश्नोत्तरी OFFICIAL LANGUAGE QUIZ

1. लिट्टो के तोमस, उपमंडल इंजीनियर, कंप्यूटर - प्रथम
2. धनेष एम डी , उपमंडल इंजीनियर(बाहरी) एसटीआर, तिरुवल्ला- - द्वितीय
3. प्रिया सदानंदन , उपमंडल इंजीनियर (परिचालन योजना), महाप्रबंधक दूरसंचार का
कार्यालय, तिरुवल्ला --तृतीय

सभी भागीदारों एवं विजेताओं को बधाइयाँ ।

हार्दिक अभिनंदन.

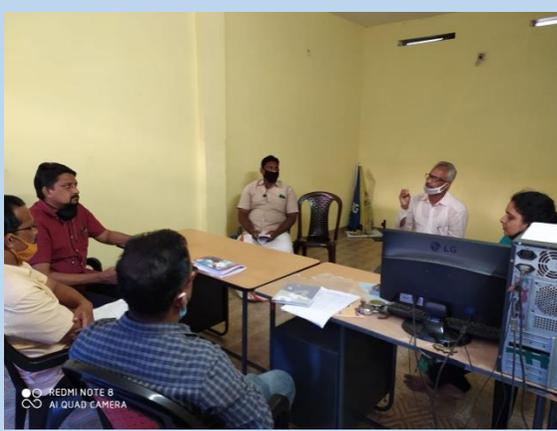
सेवानिवृत्त लोगों को प्रशंसा पत्र और स्मृतिचिह्न Appreciation letter and memento to retiring staff



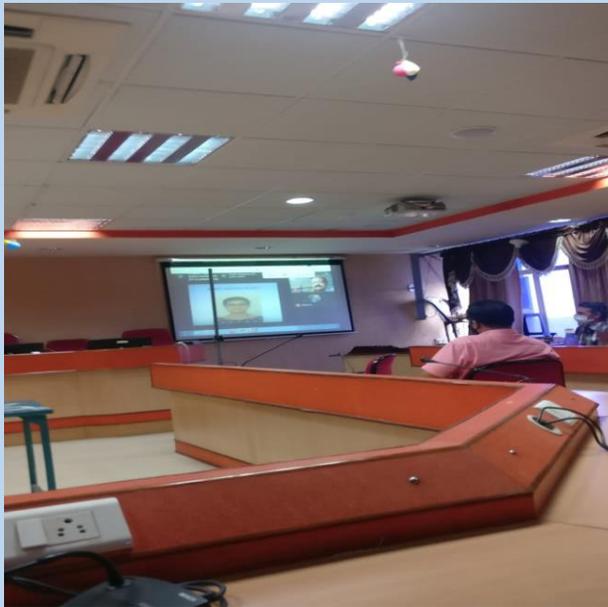
गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोपण Flag Hoisting on Republic Day

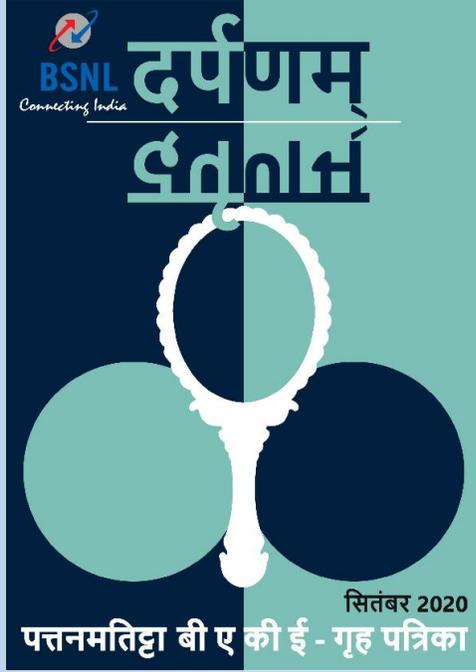


बीए में संपन्न एफओएसबैठक - FOSMeeting



ऑनलाईन हिंदी पखवाडा समारोह

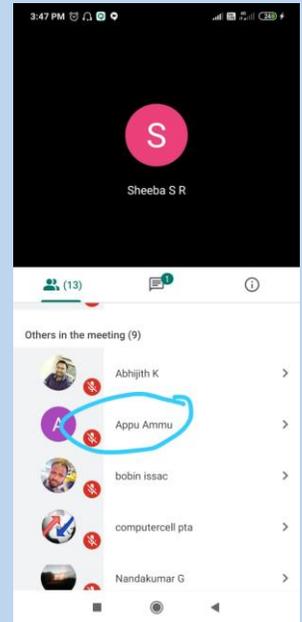
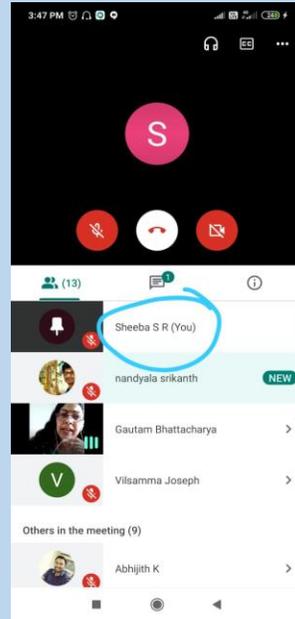




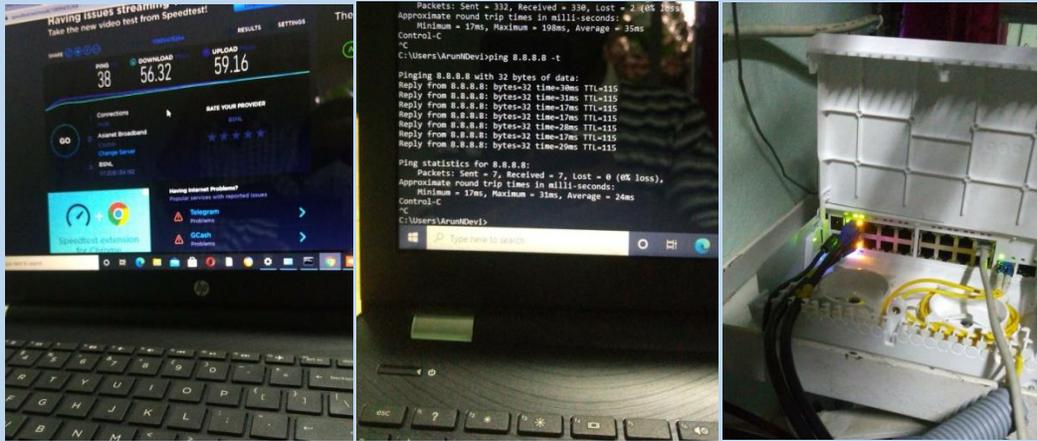
हिंदी पखवाडा के समापन
समारोह में पत्तनमतिट्टा
बीए की राजभाषा पत्रिका
प्रकाशित की गई ।

ऑनलाईन हिंदी कार्यशाला

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक



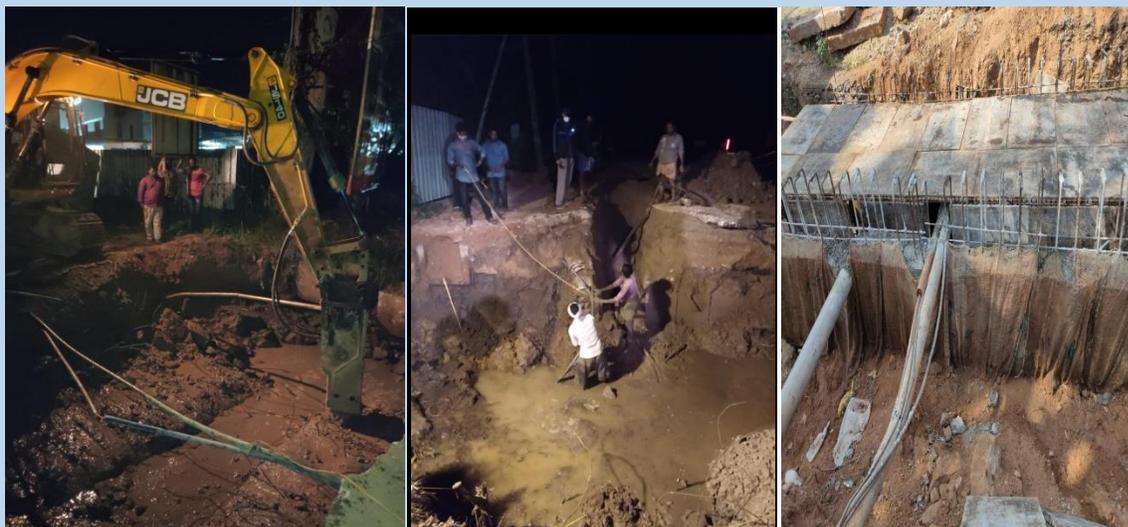
स्पीड जाँच केलिए नया निकाय New System –Net Speed checking



Cable jointing work at Rolex hotel site culvert Chethonkara Ranni in KSTP work



कुंबाषा एक्सचेंजक्षेत्र में केबल फाल्ट ठीक करने का काम Cable faults rectification at Kumbazha Exchange area



पत्तनमतिट्टा टेली. एक्सचेंज से तिरुवल्ला टेली.एक्सचेंज में ट्रान्सफार्मर के विधटन, स्थानांतरण, संस्थापन और कमीशनिंग Dismantling ,shifting ,installation and commissioning of Transformer from TE PTA to TE Tvla



श्री साजु जॉर्ज के आईटीएस, महाप्रबंधक द्वारा पत्तनमतिट्टा बी ए में केंद्रीकृत एनओसी का उद्घाटन Centralised NOC Inauguration of PTA by the General Manager Shri Saju George K, ITS



‘Dial before Dig Service’ in Tvm- Inauguration by Hon Minister of PWD Sri. G. Sudhakaran



Meeting with Collector



मेलाएं / MELAS

कविवर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला -एक परिचय

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

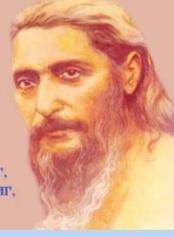
जन्म : सन् 1897 ई०

मृत्यु : 15 अक्टूबर, 1961 ई०

जन्म स्थान:

बंगाल, महिषादल राज्य

काल्य-रचनाएँ: 'परिभ्रम', 'गीतिका', 'अनामिका',
'तुलसीदास', 'कुकुरमुत्ता', 'अणिमा', 'अपरा', 'वेता',
'नये पते', 'आराधना', 'अर्चना' आदि



श्रीजयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा के साथ छायावादी युग के चार प्रमुख स्तंभों में से प्रमुख स्तंभ है श्री सूर्यकांत त्रिपाठी निराला। सरस्वती के परद पुत्र निराला जी ने वसंत पंचमी

के दिन जन्म लिए। अपने पिता पंडित राम सहाय त्रिपाठी के कठोर अनुशासन में निराला जी का लालन-पालन हुआ। मेट्रिक के बाद वे घर पर रहकर ही संस्कृत-अंग्रेज़ी के साथ संगीत तथा विभिन्न दर्शनों का भी अध्ययन करते रहे। उन्होंने पहले बंगला में ही कविता रचना शुरू की थी। विवाह के बाद पत्नी की प्रेरणा से उन्होंने हिंदी भाषा सीखी और फिर हिंदी में कविता लिखने लगे। केवल 20 वर्ष की आयु में पिता और पहले महायुद्ध के बाद फैली महामारी में पत्नी का वियोग सहना पडा और फिर विधवा बेटा का भी देहांत हुई ।

उनकी पहली कविता संग्रह 'अनामिका' हैं। कविता, उपन्यास, कहानी, निबंध आलोचना, पुराण कथा, बालोपयोगी साहित्य, अनुवाद आदि साहित्य के विविध तलों पर उन्होंने हिंदी भाषा को संपन्न बनाए। निराला के प्रयोगों में एक विशेष प्रकार के साहस और सजगता के दर्शन होते हैं। यह ही निराला को अपने युग के कवियों में अलग और विशिष्ट बनाती है। निरालाजी आधुनिक युग के सर्वाधिक क्रांतिकारी, प्रगतिवादी, चेतना के ओजस्वी कवि थे। उनकी भाषा भावात्मक अर्थ गौरव के साथ-साथ संस्कृतनिष्ठ, सामसिक शब्दावली संपूर्ण ओज, प्रसाद, माधुर्य गुणों से युक्त है। निराला जी की कविताओं में करुणा, वीर और रोद्र रसों को सजीव चित्र विद्यमान है। उनके काव्य कला की सबसे बड़ी विशेषता है चित्राण कौशल अर्थात् शब्द चित्र अंकित करने की निपुणता। निराला जी ने कुछ प्रगतिशील कविताएं भी लिखी हैं। ऐसे हिंदी भाषा को सपुष्ट बनाने में उनका योगदान अमूल्य है।

ज़िंदगी

कभी तानों में कटेगी,
कभी तारीफों में ,
ये ज़िंदगी है यारों,
पल पल घटेगी ।

पाने को कुछ नहीं
ले जाने को कुछ नहीं,
फिर भी क्यों चिंता करते हो,
इससे सिर्फ खूबसूरती घटेगी,
ये ज़िंदगी है यारों पल-पल घटेगी।

बार बार रफू करता रहता हूँ
.... ज़िंदगी की जेब।
कम्बखत फिर भी, निकल जाते हैं.....,
खुशियों के कुछ लम्हें।

ज़िंदगी में सारा झगडा ही...
ख्वाहिशों का हैं।
ना तो किसी को गम चाहिए,
ना ही किसी को कम चाहिए।

खटखटाते रहिए दरवाज़ा.....
एक दूसरे के मन का
मुलाकातें ना सही,पर
आहटें आती रहनी चाहिए !!

उड जाएंगे एक दिन
तस्वीर से रंगों की तरह
हम वक्त की टहनी पर
बैठे हैं परिंदों की तरह

बोली बता देती है, इंसान कैसा है ।
बहस बना दती है, ज्ञान कैसा है
घमण्ड बता देता है, कितना पैसा है
संस्कार बता देते हैं, परिवार कैसा है।

- ना राज़ है..... "ज़िंदगी "
ना नाराज़ है.... "ज़िंदगी "
बस जो है, वो आज है, ज़िंदगी ।

मिलने को तो हर शख्स,
हमसे बड़ा एहताराम से मिला,
पर जो भी मिला...,
किसी ना किसी काम से मिला !!

जीवन की किताबों पर
बेशक नया कबर चढाइये,
बिखरे पन्नों को,
पहले प्यार से चिपकाइये !!!!! ॐ



नदी

हे मानव, नदी जैसा जीना सीखो
अपनाओ नदी की गुणता।
गिरि तुंग से नीचे आती
नमता का पाठ पढ़ाती ।

कभी भी कहीं न रुकती
बाधा है तो पार कर जाती।
कण-कण में राग रूपिणी
गीत गाती कल-कल रव से ।

चारों ओर बने हरियाली
हर्ष पुलकित करते सबको।
पथ के मैल को अपना कर
मोहनी तू सदा चलती है।
प्रकृति को बनाते समृद्ध
कुछ भी वापस नहीं माँगते ।

अपनाओ यह भावना
बिना प्रतिफल जीना सीखो।
प्रकृति ही मानव के गुरु
किताब खुले है हमारे सामने ।
धूल से रत्न को ढूँढकर
जीवन को पवित्र बना दें।

गीता जी पी
हिंदी अनुवादक

क्या आप जानते हैं ?

1. प्रथम संगीत फिल्म के निर्माता कौन थे ?

जे एफ मदन

2. प्रथम महिला निर्देशक कौन थी ?

फातिमा बेगम (फिल्म बुलबुल -ए-परिस्ताना)

3. प्रथम मूक फिल्म कौनसी थी ?

राजा हरिचंद्र

4. प्रथम बोलती फिल्म कौनसी थी ?

आलम आरा

5. विदेश में शूट की गई प्रथम फिल्म कौनसी थी ?

नाग (मिस्र में)

चुटकुले 

एक बार एक व्यक्ति पहली बार प्लाइन में यात्रा कर रहा था।

बैंगलूरु आते ही वह चिल्लाया बैंगलूरु, बैंगलूरु।

एयरहोस्टस कहा - प्लीज बी साइलेंट।

व्यक्ति - ओके, ऐंगलूरु, ऐंगलूरु। *****

सेठ बनवारी लाल ने अपने नए नौकर से कहा, 'देखो भाई, तुम्हें अगर यहाँ नौकरी करना है तो मेरे कुत्ते को भी खातिरदारी करनी होगी।

नौकर, 'आप चिंता मत कीजिए सेठजी, मैं आप दोनों को एक ही नज़र से देखूँगा।'

വെയിൽ ചാഞ്ഞ വേളയിൽ നഗരത്തിലെ തിരക്കാർന്ന നടപ്പാതയിലൂടെ ധൃതിയിൽ നടക്കുന്നതിനിടയിൽ അവൾ വീണ്ടും തന്റെ വാച്ചിലേക്ക് നോക്കി. ഭഗവാനേ, ഒരു മണിക്കൂർ വൈകിയാണ് ഇന്ന് ഓഫീസിൽ നിന്ന് ഇറങ്ങിയത്. ഇനിയിപ്പോൾ ബസ് സ്റ്റോപ്പിലേക്ക് നടന്നെത്തുമ്പോഴേക്കും നേരം ഇരുട്ടും. തന്നെയുമല്ല വീടിനു മുന്നിലൂടെ പോകുന്ന ബസ് കിട്ടുകയുമില്ല. ഇനിയിപ്പോൾ കവലയിൽ ഇറങ്ങി ഓട്ടോ വിളിച്ചു വേണം വീട്ടിലെത്താൻ. വൈകിയതിന് ഇനി ആരോടൊക്കെ കാരണങ്ങൾ ബോധിപ്പിക്കണമെന്നവൾ ഓർത്തു.

വീർപ്പിച്ച മുഖത്തോടെ വരാന്തയിൽ അക്ഷമനായി നോക്കി നിൽക്കുന്ന ഭർത്താവിനെ ഓർത്തപ്പോൾ അവളുടെ നടത്തത്തിന്റെ വേഗത ഒന്നു കൂടെ കൂടി.

അകത്തളത്തിലേക്ക് കാലെടുത്ത് വെക്കുമ്പോഴേക്കും ടി വി മൊത്തം വിഴുങ്ങാനെന്ന വണ്ണം അതിന്റെ മുമ്പിൽ ഇരുന്ന് സീരിയലിൽ നോക്കി ആർത്തഹസിക്കുന്ന അമ്മായിഅമ്മയുടെ പുച്ഛിക്കുന്ന മുഖവും പിറുപിറുക്കലും കേൾക്കാം.

പുറകെ തന്നെ മക്കളുടെ കൊഞ്ചലും പരാതിയും പരിഭവങ്ങളും.

ധൃതിയിൽ നടക്കുന്നതിനിടയിൽ സാരിത്തുമ്പുകൊണ്ടു മുഖത്തെ വിയർപ്പ് ഒപ്പുമ്പോൾ അവളുടെ മനസ്സുനിയെ കാർമ്മേഘങ്ങൾ ഉരുണ്ടുകൂടുകയും ഒരു കരച്ചിലിന്റെ വക്കത്തോളമെത്തുകയും ചെയ്തിരുന്നു. ശരവേഗത്തിൽ പാഞ്ഞുപോകുന്ന സമയത്തെ പഴിച്ചുകൊണ്ടവൾ യഥാർത്ഥത്തിൽ ഓടുകയായിരുന്നു. ആ ഓട്ടത്തിനിടയിൽ പെട്ടെന്ന് തന്നെ കടന്നുപോയ മുഖം കണ്ടവൾ ഒന്നു നടുങ്ങി.

തിടുക്കത്തിൽ മുന്നോട്ട് നടക്കുന്നതിനിടയിൽ അവൾ ഒന്നു തിരിഞ്ഞുനോക്കി.

ഉള്ളിൽ നിറഞ്ഞുകൂടിയ വേദന ശരീരം മുഴുവൻ പടരുന്നതായി അവൾക്കു തോന്നി. പരിസരം മറന്നവവൾ അയാളെത്തന്നെനോക്കി നിന്നു.

ഒരു നിമിഷം അവളുടെ മനസ്സിൽ വർഷങ്ങൾ പുറകോട്ടു സഞ്ചരിച്ചു. കോളേജ് പഠനകാലത്തു ഇണപ്രാവുകൾ ആയി പറന്നു നടന്നവർ... ഒറ്റഹൃദയം ആയി നടന്നവർ... പഠനശേഷം രണ്ടു വഴികളിലേക്ക് സഞ്ചരിക്കപ്പെട്ടവർ... ഇപ്പോളിതാ ഇരുൾ വന്നു തുടങ്ങിയ നേരത്ത് നഗരത്തിന്റെ തിരക്കിനിടയിൽ വച്ചു വീണ്ടും കണ്ടു മുട്ടുന്നു. അയാളും എന്തോ അത്ഭുതം സംഭവിച്ചപോലെ അവളുടെ അടുത്തേക്ക് നടന്നടുത്തു. നിമിഷനേരംകൊണ്ട് രണ്ടുപേരുടെ ഹൃദയത്തിലും ഭൂതകാലത്തിന്റെ ഓർമ്മകൾ മനസ്സിലൂടെ കടന്നുപോയി. വലിയ നീളൻ വരാന്തയും , കോണിപ്പടികളും, ഇടവഴികളും, പുത്തുമണൽ വിരിച്ചു നിൽക്കുന്ന വാകമരങ്ങളും, ഇരുളടഞ്ഞ ലൈബ്രറി മുറിയും, എന്നും നൂറുകഥകൾ പറഞ്ഞുതന്ന കുളിരുന്ന മഴക്കാലവും ഒരു മിന്നൽപിണർ പോലെ അവരുടെ മനസ്സിലൂടെ ഒന്നൊന്നായി കടന്നുപോയി. അവർക്കു ചുറ്റും വല്ലാത്തൊരു മൗനം തളം കെട്ടി നിന്നു. കുറച്ചുനേരത്തെ മൗനത്തിനുശേഷം എന്തോ പറയാനായി അയാൾ വാ തുറന്നതും വാക്കുകൾ മുറിഞ്ഞു തൊണ്ടയിൽ കൂടുങ്ങി നിന്നു.

അയാൾ ഒരല്പം ജാല്യതയോടെ അവളുടെ അരികിലേക്ക് നീങ്ങി നിന്നിട്ടു അവൾക്കുമാത്രം കേൾക്കാവുന്ന ശബ്ദത്തിൽ അവളെ പതിയെ വിളിച്ചു... അമ്മൂ.. അതുകേട്ടതും ഒരു തെട്ടലോടെ അവൾ അയാളെ നോക്കി.

അവളുടെ കണ്ണുകൾ നിറഞ്ഞു തുളുമ്പിയിരുന്നു.

മൗനം വീണ്ടും അവർക്കിടയിൽ ഒരു വില്ലനെപ്പോലെ പതുങ്ങി നിന്നു.

അയാൾ പതിഞ്ഞ ശബ്ദത്തിൽ അവളോട് ചോദിച്ചു..അമ്മു നിനക്ക് സുഖം തന്നെയല്ലേ... ??

അപ്പോഴേക്കും അവളുടെ കണ്ണുനീർ കവിളിലൂടെ ഒലിച്ചിറങ്ങിയിരുന്നു. അതയാൾ കാണാതിരിക്കാൻ അവൾ പരമാവധി ശ്രമിക്കുന്നുണ്ടായിരുന്നു. അവൾ മറുപടിയായി ഒന്നു മുളി. പിന്നെ മുഖം ഉയർത്തിക്കൊണ്ട് അയാളുടെ കണ്ണിലേക്കു നോക്കി ചോദിച്ചു. അവിടെ സുഖം തന്നെയല്ലേ ?

അയാളുടെ കണ്ണും നിറഞ്ഞിരുന്നു. മറുപടിയായി മറ്റൊവിയോ നോക്കി അയാൾ പറഞ്ഞു. സുഖം... കണ്ണട ഉൗരി കണ്ണു തുടച്ചുകൊണ്ടയാൾ ചോദിച്ചു. ഇവിടെയാണോ ജോലി ചെയ്യുന്നത് ?

ഒരു മുളൽ ആയിരുന്നു അവളുടെ മറുപടി..... വിരൽ ചൂണ്ടിക്കൊണ്ടവൾ പറഞ്ഞു ആ നീല പെയിന്റ് അടിച്ച ബിൽഡിംഗ്. അവൾ ചൂണ്ടിയ ഭാഗത്തേക്ക് നോക്കി വളരെ തളർന്ന സ്വരത്തിൽ അയാൾ പറഞ്ഞു. അതിനപ്പുറത്തെ ബിൽഡിങ്ങിൽ ഞാനും ഉണ്ടായിരുന്നു.

അവൾ ദയനീയമായി അയാളെ നോക്കി നിന്നു...

ഇത്രയടുത്തുണ്ടായിട്ടും ഒരിക്കൽ പോലും ഒന്നു കാണാനാകാതെ...

നൂറുനൂറു ചോദ്യങ്ങൾ ചോദിക്കാൻ ഇരുമനസ്സും വെമ്പുന്നുണ്ടായിരുന്നു. പെട്ടെന്ന് അവൾക്കു പോകേണ്ട ബസ്സ് തൊട്ടപ്പുറത്തെ സ്റ്റോപ്പിൽ വന്നു നിന്നു.

ആളുകൾ ധൃതി കൂട്ടി ഇറങ്ങുകയും കയറുകയും ചെയ്തു കൊണ്ടിരുന്നു. ഒന്നും മിണ്ടാനാകാതെ അവൾ നിന്നു. പിന്നെ മിണ്ടാതെ പിന്തിരിഞ്ഞു നടന്നു.

പെട്ടെന്ന് ഏതോ ഒരുൾപ്രേരണയാൽ എന്തോ ചോദിക്കാനെന്നവണ്ണം പരിസരം മറന്ന് അയാൾ അവളെ ഉച്ചത്തിൽ വിളിച്ചു.

അയാളുടെ ആ വിളിക്കായി കാത്തു നിന്ന പോലെ പൊടുന്നനെ അവൾ തിരിഞ്ഞു നിന്ന് അയാളുടെ കണ്ണുകളിലേക്ക് ദയനീയമായൊന്ന് നോക്കി.

പറയുവാനുള്ള വാക്കുകൾ തൊണ്ടയിൽ വച്ചു തന്നെ മുറിഞ്ഞെങ്കിലും അയാളുടെ ഹൃദയം അവളോട് ചോദിച്ചു- കൊണ്ടിരുന്നു... വേർപിരിഞ്ഞിട്ട് ഇത്രയും കാലത്തിനിടക്ക് നീ എപ്പോഴെങ്കിലും എന്നെ ഓർത്തിരുന്നോ ??

അതിനുള്ള മറുപടിയെന്നോണം അവളുടെ ഹൃദയവും മന്ത്രിച്ചു കൊണ്ടിരുന്നു. നിന്റെ ഓർമ്മകളില്ലാത്ത ഒരു നിമിഷം പോലും എന്റെ ജീവിതത്തിൽ കടന്നു പോയിട്ടില്ല ഹരി. ഉടനെ തന്നെ ആ തിരക്കിനുള്ളിലേക്കു തള്ളി അവൾ ബസ്സിനകത്തേക്കു കയറാൻ തുടങ്ങി. തിരിക്കിത്തിരക്കി ഒരു തരത്തിൽ അവൾ ബസ്സിൽ നിലയുറപ്പിച്ചു. നിറയെ ആളുകളെ വഹിച്ചു ബസ്സ് മുന്നോട്ട് നീങ്ങിയപ്പോൾ അയാൾ അറിയാതെ കൈകൾ വീശുന്നുണ്ടായിരുന്നു. പിറ്റേന്നു മുതൽ ഓരോ ദിവസവും അവൾ ഹരിയെ തിരഞ്ഞു കൊണ്ടിരുന്നു. പക്ഷെ അവൾക്കയാളെ ഒന്നു കാണാൻ സാധിച്ചില്ല. അതവളുടെ ഉള്ളിൽ ഒരു നെരിപ്പോടായി ഉണ്ടെങ്കിലും അവളുടെ മനസ്സിലൂടെ അവർ ഒരുമിച്ചുണ്ടായിരുന്ന സുവർണ്ണ നിമിഷങ്ങൾ ഓരോ ദിവസവും മിന്നിമറഞ്ഞുകൊണ്ടിരുന്നു. പതിവ് പോലെ രാവിലെ മുറ്റുമടിക്കുമ്പോൾ ആയിരുന്നു അന്നും പത്രക്കാരൻ പത്രവുമായി എത്തിയത്. പത്രവുമെടുത്ത് അടുക്കളയിലേക്കു ഓടുന്നതിനിടയിൽ പത്രത്തിലേക്കൊന്നു കണ്ണോടിച്ചു.

അടുത്ത നിമിഷം ഒരു ഞെട്ടലോടെ അവൾ ആ പത്രത്തിലേക്ക് തന്നെ തുറിച്ചു നോക്കിക്കൊണ്ട് നിന്നു.

ഫ്രണ്ട് പേജിലെ അവസാന കോളത്തിലെ ആദരാഞ്ജലികൾ എന്നെഴുതിയതിന് തൊട്ടു താഴെയുള്ള ആ വലിയ ഫോട്ടോയിലേക്ക് അവൾ നിർജീവമായി നോക്കി നിന്നു. ശരീരം മരവിക്കുന്നതായി അവൾക്കു തോന്നി..... ആ മരവിപ്പിൽ അവളുടെ വിരലുകൾക്കിടയിൽ പത്രം തെരിഞ്ഞമർന്നു. പത്രത്തിൽ കണ്ട അഡ്രസ്സും തപ്പി അവിടെ ചെന്നപ്പോഴേക്കും ചടങ്ങുകൾ എല്ലാം കഴിഞ്ഞിരുന്നു..... അവൾക്കു തല ചുറ്റുന്നതായി തോന്നി. അടുത്ത് കണ്ട ഒരു തൂണിൽ അവൾ മുറുകെ പിടിച്ചു. അപ്പോൾ പിറകിൽനിന്ന് പ്രായമായ ഒരു സ്ത്രീ പറയുന്നത് കേട്ടു.... പാവം കുട്ടിയായിരുന്നു. എന്ത് സ്നേഹം ആയിരുന്നെന്നോ... ബൈക്ക് ആക്സിഡന്റ് ആയിരുന്നു. രണ്ടാഴ്ച ആശുപത്രിയിൽ കിടന്നു..... ഇന്നലെ

ഉച്ചക്ക് പോയി..... പിന്നെ ഒരു ആശ്വാസം ഒറ്റത്തടി ആയിരുന്നു ഭാര്യയും മക്കളും ഒന്നും ഇല്ലല്ലോ.... അല്ലെങ്കിൽ അവരുടെ കണ്ണുനീർ കൂടി കാണേണ്ടി വരുമായിരുന്നു.... ഇതുകൂടി ശ്രവിച്ച അവൾ വിദൂരതയിലേക്ക് നോക്കി യാന്ത്രികമായി മുന്നോട്ട് നടന്നു കൊണ്ടേയിരുന്നു.....

അനീഷ്.വി.റ്റി.

H/o ശ്രീമതി.ധന്യ.പി.ബാബു ജൂനിയർ ടെലികോം ഓഫീസർ ജിഎംറ്റി ഓഫീസ്, തിരുവല്ല.

अष्टम अनुसूची की भाषाएं

LANGUAGES UNDER VIIIth SCHEDULE

- | | | |
|---------------------|---------------------|--------------------|
| 1 असमिया Assamese | 9 मैथिली Maithilli | 17 संथाली Santhali |
| 2 बंगला Bengali | 10 मलयालम Malayalam | 18 सिंधी Sindhi |
| 3 बोडो Bodo | 11 मणिपुरी Manipuri | 19 हिंदी Hindi |
| 4 डोगरी Dogri | 12 मराठी Marathi | 20 तमिल Tamil |
| 5 गुजराती Gujarathi | 13 नेपाली Nepali | 21 तेलुगु Telugu |
| 6 हिंदी Hindi | 14 उडिया Oriya | 22 उर्दू Urdu |
| 7 कन्नड Kannada | 15 पंजाबी Punjabi | |
| 8 कोंकणी Konkani | 16 संस्कृत Sanskrit | |

¼ - पाव	½ आधा	¾ पौना	3 ¼ सवा तीन
1 ¼ सवा	1 ½ डेढ	1 ¾ पौने दो	3 ½ साढे तीन
2 ¼ सवा दो	2 ½ ढाई	2 ¾ पौने तीन	3/5 तीन बटा पाँच

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति



संयुक्त हिंदी पखवाडे के सिलसिले में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति तिरुवल्ला के तत्वावधान में 19.02.2021 को संपन्न प्रतियोगिताओं का परिणाम

Results of the competitions held in connection with the Joint Hindi Fortnight 2020 held on 19.02.2021

क्रम सं Sl No	प्रतियोगिताCompetition	विजेता का नाम , पदनाम एवं संगठन Winner's Name, Designation and Organisation श्रीमती / श्री Smt/Sri	पुरस्कारPrize
1	सुलेख Calligraphy	संगीता एस, डाक सहायक, डाक अधीक्षक का कार्यालय, तिरुवल्ला	प्रथम
		श्रीलक्ष्मी सी , लिपिक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा II तिरुवल्ला	द्वितीय
		प्रीजा पी तंकम, हायर ग्रेड सहायक, भारतीय जीवन बीमा निगम, तिरुवल्ला	तृतीय
		विष्णु वर्धन, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, बीएसएनएल, तिरुवल्ला	तृतीय
2	कवितालेखन Poetry Writing	आनंदकुमार के एस, डाक सहायक, डाक अधीक्षक का कार्यालय, तिरुवल्ला	प्रथम
		संगीता एस, डाक सहायक, डाक अधीक्षक का कार्यालय, तिरुवल्ला	द्वितीय
3	निबंध लेखनEssay Writing	सजी एस, हायर ग्रेड सहायक, भारतीय जीवन बीमा निगम, तिरुवल्ला	प्रथम
		आनंदकुमार के एस, डाक सहायक, डाक अधीक्षक का कार्यालय, तिरुवल्ला	द्वितीय
4	हिंदी गीत	श्रीकला एस, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, बीएसएनएल , तिरुवल्ला	प्रथम

	हिंदी गीत Hindi Song	रेणु एस, प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा II तिरुवल्ला	द्वितीय
		रेया वर्गीस, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, बीएसएनएल, तिरुवल्ला	तृतीय
		सजी एस, हायर ग्रेड सहायक, भारतीय जीवन बीमा निगम, तिरुवल्ला	तृतीय
		प्रिया सदानंदन, उपमंडल इंजीनियर, बीएसएनएल, तिरुवल्ला	तृतीय
5	कवितापाठ Recitation	रेणु एस, प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा II , तिरुवल्ला	प्रथम
		सजी एस, हायर ग्रेड सहायक, भारतीय जीवन बीमा निगम, तिरुवल्ला	द्वितीय
		विष्णु वर्धन, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, बीएसएनएल, तिरुवल्ला	तृतीय
		प्रिया सदानंदन, उपमंडल इंजीनियर, बीएसएनएल, तिरुवल्ला	तृतीय



‘ग’ क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग के लिए (वर्ष 2021-22 का) वार्षिक कार्यक्रम
Annual Programme(2021-22) for the use of Hindi in ‘C’ Region

क्रम सं SI No	कार्य विवरण Details of work	निर्धारित लक्ष्य Prescribed Target
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित) Originating correspondence in Hindi(including E-mail)	55%
2	हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिया जाना Letters received in Hindi to be answered in Hindi	100%
3.	हिंदी में टिप्पण Noting in Hindi	30%
4	हिंदी टंकक, आशुलिपिक की भर्ती Recruitment of Hindi Typist, Stenographers	40%
5	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण(स्वयं तथा सहायक द्वारा) Dictation in Hindi/Direct Typing on Key-Board (self and by the Asst)	30%
6	हिंदी प्रशिक्षण(भाषा, टंकण, आशुलिपि) Hindi Training(Language, Typing/Stenography)	100%
7	प्रशिक्षण सामग्री द्विभाषी रूप में तैयार करना Preparation of Bilingual Training material	100%
8	हिंदी पुस्तकों आदि की खरीद Purchase of Hindi books (जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पेनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद Expenditure for the purchase of Hindi Books etc., including digital matters i.e., Hindi e-books, CD/DVD, Pen Drive including amount incurred on Translation in Hindi from English and Regional Languages out of the total Library grant excluding journals and standard reference books.)	50%
9	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद Purchase of all electronic equipments, including computers in bilingual form.	100%
10	वेबसाइट द्विभाषी हो Website bilingual	100% (द्विभाषी)
11	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो Citizen	100% (द्विभाषी)

	Charter and display of Public interface information Board bilingual	
12	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण Inspections of sections at Headquarters	25%
13	राजभाषा संबंधी बैठकें / Meetings regarding Official Language (क) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(a) Town O L I Committee (ख) राजभाषा कार्यान्वयन समिति (b) Official Language Implementation Committee	वर्ष में 2 बैठकें(प्रति छमाही एक बैठक) 2 meetings in a year (half yearly) वर्ष में 4 बैठकें(प्रति तिमाही एक बैठक) 4 meetings in a year (quarterly)
14	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद Translation of Codes, Manual, Forms and Procedural Literature in Hindi	100%
15	विभाग कार्यालय के ऐसे अनुभाग जहाँ सारा कार्य हिंदी में हो Sections of the Departments/office where entire work to be done in Hindi	20%

कृपया ध्यान रखे ।

1. सभी रबड की मोहरे, पंजियों और फाइलों का शीर्षक, नामपट्ट, पत्रशीर्ष आदि द्विभाषी रूप में तैयार करे
2. जनता की जानकारी के लिए प्रदर्शित कार्यालय के बोर्ड त्रिभाषी (क्षेत्रीय भाषा, हिंदी, अंग्रेजी क्रम में) रूप में तैयार करें।
3. पत्राचार की प्रतिशतता 55% द्विभाषी होना है। (वार्षिक कार्यक्रम में दिए निर्धारित लक्ष्य)
4. फाइलों पर द्विभाषी टिप्पण लिखने का निर्धारित लक्ष्य 30 % है। (वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार)
5. हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में ही तैयार करें । (राजभाषा नियम 5 के अनुसार)
6. धारा 3(3) के अधीन आनेवाले दस्तावेज़ द्विभाषी रूप में तैयार करके जारी करें । संबंधित दायित्व इन दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करनेवाले पर निर्भर है।
7. राजभाषा नियमों का अनुपालन का दायित्व नियम 12 के अनुसार कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख पर निर्भर है।

<p style="text-align: center;">‘क ख और ग’ क्षेत्र में शामिल राज्य/संघ राज्य क्षेत्र Region States/Union Territories falling in the Region ‘A, B & C’</p>	<p style="text-align: center;">क्षेत्र Region</p>
<p>बिहार, छत्तीसगढ , हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड राज्य, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य</p> <p>States of Bihar, Chhattisgarh, Haryana, Himachal Pradesh, Jharkhand, Madhya Pradesh, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand, National Capital Territory of Delhi and Andaman & Nicobar Islands Union Territory</p>	<p style="text-align: center;">क A</p>
<p>गुजरात, महाराष्ट्रा तथा पंजाब राज्य, चंडीगढ, दमण और दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र ।</p> <p>States of Gujarat, Maharashtra and Punjab and Union Territories of Chandigarh, Daman & Diu and Dadra & Nagar Haveli</p>	<p style="text-align: center;">ख B</p>
<p>‘क’ और ‘ख’ क्षेत्र में शामिल न किए गए अन्य सभी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र।</p> <p>All other States not included in the ‘A’ and ‘B’ Regions or Union Territories</p>	<p style="text-align: center;">ग C</p>

HAPPY VISIT!

PREPAID PLANS & OFFERS | Valid Till: April 2021 | www.bsnl.co.in | http://portal.bsnl.in

Unlimited Plans (Calls, Data & 100 SMS / Day)

2399 365 / DAY 437 Days	1999 365 / DAY 365 Days	997 3 GB / Day 100 Days	699 0.5 GB / Day 100 Days**	666 2 GB / Day 120 Days	485 1.5 GB / Day 90 Days	399 1 GB / Day 90 Days	397 2 GB / Day 90 Days	199 2 GB / Day 30 Days	197 1 GB / Day 30 Days	153 1 GB / Day 30 Days
--------------------------------------	--------------------------------------	--------------------------------------	--	--------------------------------------	---------------------------------------	-------------------------------------	-------------------------------------	-------------------------------------	-------------------------------------	-------------------------------------

Unlimited Call Minutes

1499 365 Days	999 365 Days	319 75 Days	99 21 Days
-------------------------	------------------------	-----------------------	----------------------

100 Unlimited Calls | **249** | **251** | **151** | **241** | **198** | **98**

Unlimited Combos (Calls, Data & 100 SMS / Day)

599	499	398	298	247	187
------------	------------	------------	------------	------------	------------

Full Tangent Offers

5000	5000	3000	1100
6000	5000	3000	1100

Know your MOBILE NUMBER → DIAL *555# or DIAL *14# | Plan ENLARGE & BALANCE → DIAL *133#

Activate DATA → SMS START TO *925 | Activate IDD → SMS ADD TO THE SET30 | PLAN & STV Details → DIAL *154*2#

Value Added Services like GC, DCS, Sec, DMS and Lashar are not available for SELF-CARE Activators of PR/STV

© 1990 | www.bsnl.co.in | Like BSNL India on Facebook | Follow BSNL Corporate on Twitter and Instagram